दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र (२०१८-१९)

अभ्यास पत्र - ८

कक्षा : नवमीं विशय : हिन्दी

प्र१) निम्नलिखित पद्यांष को पढ़कर, दिए गए प्रष्नों के उत्तर लिखिएः-

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम-स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन संबल।

मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीवन नहाकर
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर।

सच्चा प्रेम वही है जिसकी-
तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर
त्याग बिना निश्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर।

क) कवि ने मृत्यु के प्रति निर्भय बने रहने के लिए क्यों कहा है?

ख) मृत्यु को विश्राम-स्थल क्यों कहा गया है?

ग) सच्चे प्रेम की क्या विषेशता बताई गई है?

घ) मृत्यु रूपी सरिता में नहाकर जीव में क्या परिवर्तन आ जाता है?

प्र२) क) किस जानकारी ने लेखिका को भयभीत कर दिया?

ख) हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

प्र३) क) सुई और तलवार का उदाहरण कवि ने किस संदर्भ में दिया है?

ख) रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है?

प्र४) गिल्लू की किन चेश्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है?

प्र५) निर्देषानुसार उत्तर दीजिए :-

क) संस्कृति, पर्यावरण (वर्ण विच्छेद कीजिए)

ख) सषोधन, जगल (अनुस्वार का प्रयोग करें)

ग) आख, हसना (अनुनासिक का प्रयोग करें)

घ) फायदा, जमानत (नुक्ते का प्रयोग करें)

प्र६) क) अधिगम, स्वदेष (उपसर्ग और मूल षब्द को अलग-अलग करके लिखिए)

ख) षक्तिमान, मनुश्यता (मूल षब्द और प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखिए)

प्र७) क) संधि विच्छेद करें :-

सूर्यास्त, दिव्याकार

ख) संधि कीजिए:-

गज + आनन, कवि + इच्छा

प्र८) बालों में लगाने वाले तेल के लिए आकर्शक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र९) चित्र देखकर लगभग २०-३० षब्दों में उसका वर्णन कीजिए।